

अध्याय - 2 | पदार्थों का अन्वेषण: अम्लीय, क्षारीय एवं उदासीन

QUIZ
PART-04

1. हल्दी का उपयोग किस रूप में किया गया है?

- A. सूचक
- B. ईंधन
- C. धातु
- D. गैस (A)

व्याख्या: हल्दी क्षारीय पदार्थों की पहचान करने वाला सूचक है।

2. हल्दी सूचक क्षारीय विलयन में किस रंग में बदल जाता है?

- A. लाल
- B. सफेद
- C. नीला
- D. काला (A)

व्याख्या: क्षारीय विलयन में हल्दी लाल रंग दिखाती है।

3. हल्दी सूचक अम्लीय पदार्थों में कैसा प्रभाव दिखाता है?

- A. लाल हो जाता है
- B. कोई रंग परिवर्तन नहीं होता
- C. नीला हो जाता है
- D. हरा हो जाता है (B)

व्याख्या: अम्लीय पदार्थों में हल्दी का रंग सामान्यतः नहीं बदलता।

4. हल्दी सूचक उदासीन पदार्थों में क्या करता है?

- A. नीला हो जाता है
- B. लाल हो जाता है
- C. रंग में कोई परिवर्तन नहीं करता
- D. काला हो जाता है (C)

व्याख्या: उदासीन पदार्थ हल्दी के रंग में परिवर्तन नहीं करते।

5. हल्दी पत्र का उपयोग मुख्य रूप से किसके परीक्षण के लिए किया जा सकता है?

- A. क्षारीय पदार्थों के
- B. केवल उदासीन पदार्थों के
- C. केवल धातुओं के
- D. केवल गैसों के (A)

व्याख्या: हल्दी पत्र क्षारीय पदार्थों की पहचान करने में सहायक है।

6. हल्दी सूचक किन पदार्थों में भेद नहीं कर सकता?

- A. अम्लीय और उदासीन
- B. अम्लीय और क्षारीय
- C. क्षारीय और धात्विक
- D. नमकीन और मीठे (A)

व्याख्या: हल्दी अम्लीय और उदासीन पदार्थों में स्पष्ट भेद नहीं कर सकती।

7. जिन पदार्थों की गंध अम्लीय या क्षारीय माध्यम में बदल जाती है, उन्हें क्या कहते हैं?

- A. रंग सूचक
- B. घ्राण सूचक
- C. धातु सूचक
- D. ताप सूचक (B)

व्याख्या: गंध बदलने वाले सूचक घ्राण सूचक कहलाते हैं।

8. प्याज सूचक की गंध क्षारीय पदार्थों की उपस्थिति में क्या होती है?

- A. बढ़ जाती है
- B. कम हो जाती है
- C. नीली हो जाती है
- D. लाल हो जाती है (B)

व्याख्या: क्षारीय पदार्थों में प्याज सूचक की गंध कम हो जाती है।

9. अम्लीय पदार्थों में प्याज सूचक की गंध कैसी रहती है?

- A. वैसी ही रहती है
- B. पूरी तरह समाप्त हो जाती है
- C. रंग बदलती है
- D. ठोस बन जाती है (A)

व्याख्या: अम्लीय माध्यम में प्याज की गंध बनी रहती है।

10. आँखों पर पट्टी बाँधकर अम्ल और क्षार पहचानने के लिए कौन-सा सूचक उपयोगी होगा?

- A. घ्राण सूचक
- B. धातु सूचक
- C. तापमापी
- D. चुंबक (A)

व्याख्या: आँखों से रंग न दिखने पर गंध आधारित सूचक उपयोगी होता है।